Guru Nanak Dev Lecture Sub: “History and Historiography: Indian Perspective”

The 5th Guru Nanak Dev Lecture was organised by the Dept. of History on 13th September, 2019 in the Sardar G.S. Grewal Auditorium of the college. The main speaker was Dr. I.K. Choudhary, Professor and former Dean, Faculty of social sciences, Ranchi University, Ranchi. The lecture was titled “History and Historiography: Indian Perspective” wherein Prof. I.K. Choudhary said that history helps us understand change and how the society we live in came to be. The light was also thrown by Dr. I.K. Choudhary on the system of writing history to read and understand it and also our duty to conserve history.

SERIES

Press Release

हिन्दुस्तान
धनबाद, शनिवार, 14 सितंबर 2019 06

तथ्यों को बदलने से सत्य नहीं बदलता : डॉ चौधरी

गुरुनानक कॉलेज में शुक्रवार को कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

धनबाद | मुख्य संवाददाता

रांची विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के डॉ. आईके चौधरी ने कहा कि इतिहास को मिटाना अनैतिक है। इतिहास को तोड़ने की बजाए उससे सीख लेनी चाहिए।

तथ्यों को बदल देने भर से सत्य को मिटाया नहीं जा सकता है, सिर्फ छुपाया जा सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने इतिहास से सबक लेते रहे। यह इंसान बने रहने के लिए जरूरी भी है। डॉ. आईके चौधरी शुक्रवार को गुरुनानक कॉलेज धनबाद में गुरुनानक देव व्याख्यानमाला के पांचवीं कड़ी में आयोजित व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए कहीं। इतिहास विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. पी शेखर ने किया। उन्होंने गुरुनानक देव व्याख्यान माला के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का विषय प्रवेश विभागाध्यक्ष डा. रंजना दास ने किया। इस मौके पर कॉलेज के सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल, प्रो. संजय प्रसाद, प्रो. अभिषेक सिन्हा, प्रो. सरिता मधेसिया समेत अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

दैनिक भास्कर

लोगों को इतिहास से सीख लेने की जरूरत: डॉ चौधरी

गुरुनानक कॉलेज में इतिहास विषय पर मंथन

गुरु नानक कॉलेज भूता में कार्यक्रम

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

गुरुनानक कॉलेज में इतिहास विभाग की ओर से शुक्रवार को गुरुनानक देव व्याख्यान माला की पांचवी कड़ी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था इतिहास क्या है। मुख्य वक्ता रांची विश्वविद्यालय के डॉ आईके चौधरी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो पी शेखर ने किया। विषय प्रवेश विभागाध्यक्ष डॉ रंजना दास ने किया। डॉ चौधरी ने इतिहास लेखन की प्रक्रिया, इतिहास पढ़ने एवं समझने की प्रक्रिया तथा इतिहास को बचाने की प्रक्रिया पर खासा जोर दिया। डॉ चौधरी ने कहा कि हमें इतिहास को तोड़ने की कोशिश करने के बजाय इतिहास से सीख लेनी चाहिए। हम अपने इतिहास से सबक लेते रहें, हमारे इंसान बने रहने के लिए यह अति आवश्यक है। मौके पर सेक्रेटरी सरदार दिलजौन सिंह ग्रेवाल, प्रो संजय प्रसाद, प्रो अभिषेक सिन्हा, प्रो सरिता मधेसिया सहित शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।